NT>

Title: Need to set up statues of the security guards who were killed during the terrorist attack on the Parliament on 13 December, 2001.

श्री सुरेश रामराव जाधव : अध्यक्ष महोदय, पिछले साल 13 दिसम्बर के दिन को हमारा इतिहास नहीं भूलेगा। पिछले साल 13 दिसम्बर को आतंकवादियों द्वारा हमारे लोकतंत्र के ऊपर एक असफल हमला किया गया। हमारे देश की गरिमा को नट करने का आतंकवादियों द्वारा यह एक असफल प्रयास था। इस दिन जो हमला हुआ, वह हमारे लोकतंत्र पर हमला हुआ। हमारा लोकतंत्र दुनिया में सबसे बड़ा लोक तंत्र है। आतंकवादियों का इरादा अच्छा नहीं था। हम इस दिन को कभी नहीं भूल सकते। हमारा इतिहास इस दिन को कभी नहीं भूल सकता।

हमारे वाच एंड वार्ड के तथा अर्द्ध सैनिक बल के कई नौजवान संसद पर आतंकवादी हमले में शहीद हुए।

महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से प्रार्थना करूंगा कि इस आतंकवादी हलमे में हमारे जो नौजवान शहीद हुए हैं, इन्हें पूरा हिन्दुस्तान जान सके, इनकी पहचान हो सके, हम भी जान सकें और हमारी आने वाली पीढ़ियां भी इसका इतिहास जान सकें। इनके बलिदान के बारे में बच्चों के पठ्यक्रम में इसे जोड़ा जाए और लोक सभा का जो ऐरिया है वहां इनकी प्रतिमा स्थापित करने की भी मैं सरकार से मांग करता हूं ताकि इनके बलिदान को हम याद कर सकें।